द बिशप्स को. एड. स्कूल, उंड्री

हिंदी दिवस वृतांत लेखन – 2022-23

उन्नति पूरी है तबहिं, जब घर उन्नति होय।

निज शरीर उन्नति किये, रहत मूढ़ सब कोय ॥

हिंदी किसी संप्रदाय विशेष की भाषा नहीं, यह जन - जन की भाषा है । हिंदी हमारे हृदय की भाषा है । हिंदी भाषा की मधुरता लोगों को आकर्षित करती है । हिंदी अति उदार, समझ में आने वाली सहिष्णु भाषा होने के साथ भारत की राष्ट्रीय चेतना की संवाहिका भी है ।

भारत की स्वतंत्रता के बाद संविधान सभा ने १४ सितंबर १९४९ को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को स्वीकार किया था। हिंदी भारतीय गणराज्य की २२ आधिकारिक भाषाओं में से एक है । हिंदी के महान साहित्यकार व्यौहार राजेंद्र सिंह ने हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए काफी संघर्ष किया था। चूँकि भारत के अधिकतर क्षेत्रों में ज्यादातर हिंदी भाषा बोली जाती थी, इसलिए हिंदी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और इसी निर्णय के महत्त्व को प्रतिपादित करने तथा हिंदी को प्रत्येक क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए वर्ष १९५३ से पूरे भारत में १४ सितम्बर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

इसी उपलक्ष्य में हमारे विद्यालय के छात्रों ने भी जोश के साथ प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हिंदी दिवस मनाया । इस कार्यक्रम को सफल रूप प्रदान करने के लिए हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्य जी तथा मुख्य अध्यापक जी के साथ - साथ हिंदी विषय के अध्यापक गण एवं अन्य विषयों के अध्यापक गणों ने भी पूर्ण सहयोग दिया ।

ईश्वर की प्रार्थना से कार्यक्रम का शुभारंभ, हिंदी विषय के अध्यापक श्रीमान सतीश गुटे जी के द्वारा किया गया ।

तत्पश्चात कार्यक्रम का सफल सूत्र संचालन का कार्यभार छात्रा श्रेया मूंदड़ा और छात्र ताहेर रंगवाल को सौंपा गया, जिन्होंने अपना कार्य बहुत ही कुशलतापूर्वक निभाया ।

सर्वप्रथम कक्षा नवीं एवं दशवीं की छात्राओं ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, जो अत्यंत मनोरम था। तदनन्तर कक्षा दशवीं की छात्र कीर्ति मुंद्रा ने एक भाषण दिया जिसमें हिंदी भाषा के महत्त्व को दर्शाया गया था ।

कक्षा दशवीं के छात्र तनिष नामदेव ने हिंदी भाषा पर एक सुन्दर कविता प्रस्तुत की जो अत्यंत मोहक एवं हृदयहारी थी ।

कक्षा आठवीं की छात्र छात्राओं ने एक लघु नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें यह दिखाया गया कि किस तरह अनेक घरों में बालक और बालिकाओं में भेद - भाव किया जाता है, जो कि अनुचित है।

तत्पश्चात आठवीं की ही छात्राओं ने स्त्री वर्ग के उत्थान एवं उनकी स्वतंत्रता का सन्देश देते हुए नृत्य - नाटिका प्रस्तुत की।

कक्षा आठवीं के छात्रों ने एक नुक्कड़ - नाटक प्रस्तुत किया और इस नाटक के द्वारा छात्रों ने यह संदेश दिया कि पशुओं पर अत्याचार करना एक अपकर्म है, जिस पर विराम लगना चाहिए । अंत में कक्षा छठी एवं सातवीं की छात्राओं ने हरियाणा राज्य को निवेदित करते हुए एक हरियाणवीं गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने सबका मन मोह लिया ।

इस तरह विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के छात्र - छात्राओं ने कविता, भाषण, नृत्य, गीत, नाट्य आदि की प्रस्तुति देकर हिंदी के प्रति अपना प्रेम प्रकट किया।

कक्षा दशवीं के छात्र तनिष नामदेव ने धन्यवाद ज्ञापन के द्वारा अपना आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम को दो बार प्रस्तुत किया गया ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को देखने का अवसर मिले । कक्षा छठी, सातवीं एवं आठवीं के छात्रों को हमारे विद्यालय की संयोजिका श्रीमती खंडेलवाल जी ने मार्गदर्शन करते हुए उनका उत्साह वर्धन किया तथा कक्षा नवीं एवं दशवीं के छात्रों का मार्गदर्शन तथा उत्साह वर्धन अध्यापिका श्रीमती नुपूर चतुर्वेदी तथा श्रीमती केतकी गुजराती ने किया ।

इस तरह अनगिनत छात्र - छात्राओं ने इस कार्यक्रम सफल बनाने के लिए अपना योगदान दिया एवं हिंदी भाषा के प्रति अपने अटूट प्रेम को प्रदर्शित किया ।

अन्नपूर्णा पाठक

ईश्वर की प्रार्थना

सूत्र संचालन

हिंदी भाषा का महत्व – भाषण

हिंदी कविता वाचन

नृत्य - नाटिका, स्त्री वर्ग का उत्थान एवं स्वतंत्रता

लघु नाटिका - बालक बालिकाओं में भेद – भाव